दक्षिणी हरियाणा को हरा-भरा बनाने की सरकार की योजना

चर्चा में क्यों?

वन विभाग के अनुसार, **दक्षिण हरियाणा के छह ज़िले** वर्ष 2024 के मानसून सीज़न में **24 लाख पौधे लगाने** की तैयारी में हैं।

मुख्य बिंदु:

- **फरीदाबाद द्वारा 5 लाख पौधे लगाकर** इस **पहल का नेतृत्व** किया जाएगा, उसके बाद **महेंद्रगढ़ द्वारा 4.9 लाख पौधे** लगाए जाएंगे।
  - **पलवल और गुड़गाँव द्वारा क्रमशः 3.7 लाख तथा 3.4 लाख पौधे** लगाए जाएंगे, जबकि **नूंह एवं रेवाड़ी प्रत्येक में 3.3 लाख पौधे लगाने की योजना** बनाई जा रही है।
- वार्षिक बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण प्रयासों के बावजूद **गुड़गाँव के शहरी क्षेत्र** में **वन क्षेत्र 1% से भी कम** है। वर्ष 2024 का व्यापक वृक्षारोपण अभियान हरित आवरण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।
  - वृक्षारोपण अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिये वन विभाग **स्थानीय समुदायों को शामिल करने और पेड़ों के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने** की योजना बना रहा है।
  - नव स्थापित हरित क्षेत्रों के संरक्षण और सुरक्षा के लाभों के बारे में **जागरूकता बढ़ाने के लिये** रोपण पहल को संभवतः **शैक्षिक पहल के साथ जोड़ा जाएगा।**
- इस परियोजना का लक्ष्य गुड़गाँव की वायु गुणवत्ता में सुधार करना है जो स्विस कंपनी **IQAir** के अनुसार सबसे प्रदूषित शहरों में से एक है।
  - इस फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, शहर में [PM 2.5 की सांद्रता] 2020 की तुलना में **वर्ष 2021 में 11% बढ़ गई**।
- [भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI)] वर्ष **2019 और 2020 के दौरान वन क्षेत्र में 2.47 वर्ग किमी. की गिरावट** का संकेत देता है।
  - हालाँकि उनकी उत्तरजीविता सुनिश्चित किये बिना बड़ी संख्या में पेड़ लगाना कोई प्रभावी समाधान नहीं है। क्षेत्र में पौधों की जीवित रहने की दर केवल 10 से 20% है, जो बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान की अपर्याप्तता को रेखांकित करती है।
  - पर्यावरणविद् क्षेत्र में जैवविविधता को बढ़ाने के लिये वृक्षारोपण अभियान ऑडिट और देशी प्रजातियों के पुनरुद्धार की आवश्यकता पर बल देते हैं।

भारतीय वन सर्वेक्षण (Forest Survey of India- FSI)

- FSI की स्थापना **जून 1981** में हुई थी और इसका **मुख्यालय उत्तराखंड के देहरादून** में है।
- यह **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन** है।
- यह संगठन भूमि और वन संसाधनों की बदलती स्थितियों की समय-समय पर निगरानी करने के लिये **वन सर्वेक्षण, अध्ययन एवं शोध** करता है।
- यह **राष्ट्रीय योजना, संरक्षण** और **पर्यावरण संरक्षण के सतत् प्रबंधन** के साथ-साथ **सामाजिक वानिकी परियोजनाओं** के कार्यान्वयन के लिये डेटा प्रस्तुत करता है।

Air Pollutants

Sulphur Dioxide (SO_2)

It comes from the consumption of fossil fuels (oil, coal and natural gas). Reacts with water to form acid rain.

Impact: Causes respiratory problems.

Ozone (O_3)

Secondary pollutant formed from other pollutants (NOx and VOC) under the action of the sun.

Impact: Irritation of the eye and respiratory mucous membranes, asthma attacks.

Nitrogen Dioxide (NO_2)

Emissions from road transport, industry and energy production sectors. Contributes to Ozone and PM formation.

Impact: Chronic lung disease.

Carbon Monoxide (CO)

It is a product of the incomplete combustion of carbon-containing compounds.

Impact: Fatigue, confusion, and dizziness due to inadequate oxygen delivery to the brain.

Ammonia (NH_3)

Produced by the metabolism of amino acids and other compounds which contain nitrogen.

Impact: Immediate burning of the eyes, nose, throat and respiratory tract and can result in blindness, lung damage.

Lead (Pb)

Released as a waste product from extraction of metals such as silver, platinum, and iron from their respective ores.

Impact: Anemia, weakness, and kidney and brain damage.

Particulate Matter (PM)

PM10: Inhalable particles, with diameters that are generally 10 micrometers and smaller.

PM2.5: Fine inhalable particles, with diameters that are generally 2.5 micrometers and smaller.

Source: Emitted from construction sites, unpaved roads, fields, fires.

Impact: Irregular heartbeat, aggravated asthma, decreased lung function.

***Note:** These major air pollutants are included in the Air quality index for which short-term National Ambient Air Quality Standards are prescribed.*

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/government-plans-to-turn-south-haryana-greener